

## सत्र समापन

### अध्यक्षीय उद्बोधन

षष्ठम विधान सभा के सप्तम सत्र का आज अंतिम कार्य दिवस है और मुझे लगता है कि किसी भी सत्र में किसी कार्य दिवस के अंतिम समय में इतना पवित्र कार्य नहीं हुआ होगा। मैं समझता हूँ कि इतिहास में यह पहली बार हुआ है। (मेजों की थपथपाहट) आज के दिन आप सब लोगों ने बहुत ही भावना के साथ, तथ्यों के साथ, विचारों के साथ और उस गरिमा के अनुरूप वंदे मातरम के बारे में अपनी भावना व्यक्त की। मैं आप सबको धन्यवाद दूंगा। यह सत्र 18 नवम्बर से 17 दिसंबर तक आहूत रहा। इसमें कुल 5 बैठकें संपन्न हुईं। यह सत्र अन्य की तुलना में सदैव अपनी एक अलग पहचान के लिए जाना जायेगा। इस सत्र के प्रथम दिवस दिनांक 18 नवंबर, 2025 को पुराने विधान सभा भवन में छत्तीसगढ़ विधान सभा की स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर केंद्रित चर्चा हुई, यह कार्य दिवस हम सबको भावुक करने वाला था क्योंकि हम सब की स्मृतियां उस भवन से जुड़ी हुई थी। आप सभी ने अपनी भावनाओं से इस चर्चा को समृद्ध बनाया। इस सत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सत्र का दूसरा कार्य दिवस रविवार 14 दिसंबर, 2025 को नवीन विधान सभा भवन में आरंभ हुआ, किसी विधान सभा का एक सत्र दो भवनों में संपन्न हो इस दुर्लभ संयोग के साक्षी होने का अवसर हम सब को प्राप्त हुआ। मैं यह बड़े विश्वास के साथ कहता हूँ कि छत्तीसगढ़ विधान सभा का जब-जब भी इतिहास पढ़ा जायेगा तब-तब षष्ठम विधान सभा के इस सप्तम सत्र का उल्लेख अवश्य रूप से होगा। इस सदन में आप और सभी इतिहास के महत्वपूर्ण घटनाक्रम से जुड़ गये हैं। यह हम सब के लिए उपलब्धि है।

भविष्य के निर्धारण के लिये वर्तमान का विमर्श अत्यंत आवश्यक होता है और इस बात को ही ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ विधान सभा में अपनी स्थापना की रजत जयंती वर्ष पर छत्तीसगढ़ के भविष्य पर केंद्रित विषय “अंजोर छत्तीसगढ़ विजन 2047” की सम्यक सार्थक चर्चा हुई। चर्चा के सभी प्रतिभागी सदस्यगणों और सहभागी सदस्यगणों को मैं अपनी ओर से धन्यवाद देता हूँ।

हम सभी अवगत हैं कि शीतकालीन सत्र सामान्य तौर पर अपेक्षाकृत थोड़ा छोटा सत्र होता है इसलिए ज्यादातर विषयों को हम चाहकर भी शामिल नहीं कर पाते हैं। बावजूद इसके इस सत्र में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर आप सभी ने उपयोगी चर्चा को मूर्त स्वरूप दिया। इस सत्र का एक महत्वपूर्ण कार्य वित्तीय कार्य भी था, जिसे हमने अनुपूरक के माध्यम से पूर्ण किया। इसके अतिरिक्त आज हम सब गौरवशाली क्षणों के साक्षी व भाग बने जब आज की सभा में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आप सभी माननीय सदस्यों ने अपने विचार रखकर एवं चर्चा का हिस्सा बनकर छत्तीसगढ़ की विधान

सभा में गौरवशाली स्थान दर्ज किया। इस आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि यह सत्र सार्थक सफल और ऐतिहासिक रहा।

छत्तीसगढ़ विधान सभा के षष्ठम विधान सभा के सप्तम सत्र के अंतिम दिवस पर सफलतापूर्वक सत्र संपन्न होने के अवसर पर मैं अपनी ओर से माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी, हमारे सभी मंत्रिगण, पक्ष-प्रतिपक्ष के सभी विधायकगणों को धन्यवाद देता हूँ कि आपने इस सदन के सुव्यवस्थित संचालन में मुझे अधिकतम सहयोग प्रदान दिया। (मेजों की थपथपाहट)

इस सत्र में आप नवीन भवन में स्थानांतरित हुए। नए वातावरण, नई सुविधाएं, नए संसाधन अर्थात् सबकुछ नया-नया ही रहा। नए वर्ष के पूर्व आपके जीवन में घटित यह सभी नवीन घटनाएं आप सभी को सुखद अनुभव प्रदान करने वाली बने मेरी ऐसी अभिलाषा है। एक अनुरोध यह भी है कि नवीन भवन में व्यवस्था की दृष्टि से विधान सभा सचिवालय द्वारा भरपूर कोशिश की गयी, बावजूद इसके कुछ जगहों पर जहां व्यवस्था में परिवर्तन चाहते हैं तो कृपया अपनी प्रतिक्रियाओं से विधान सभा सचिवालय को लिखित रूप से अवगत अवशक करायें, जिससे आगामी बजट सत्र में आपको किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

विधान सभा भवन का स्थानांतरण एक जटिल प्रक्रिया है। मैं विधान सभा सचिव, श्री दिनेश शर्मा के साथ-साथ समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों की प्रशंसा करता हूँ कि आपने निर्धारित समय में न केवल विधान सभा भवन को स्थानांतरित किया बल्कि सभी व्यवस्थाएं विधान सभा की गरिमा के अनुरूप करने का कार्य किया। इस कार्य में लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ शासन का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उनके इस सहयोग के लिए मैं उनकी भी मुक्त कंठ से सराहना करता हूँ। इस अवसर पर नवीन विधान सभा भवन के निर्माण में जुड़े वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियर, सब इंजीनियर, सुपरवाइजर, राज मिस्त्री और मजदूरों का भी अभिनंदन करता हूँ और आपको आश्वस्त करता हूँ कि इस भवन में आपका परिश्रम और पहचान सदैव शास्वत बनी रहेगी।

अब मैं आपको इस शीतकालीन सत्र में सम्पादित हुए संसदीय कार्य की संक्षेप सांख्यिकीय आकड़ों से अवगत कराऊंगा। इस सत्र में कुल 5 बैठकों में 33 घण्टे, 33 मिनट रात्रि कालीन 8.00 बजे तक और आज भी करीब-करीब 7.39 बजे तक चर्चा हुई। इस सत्र में तारांकित प्रश्नों की संख्या 333 एवं अतारांकित प्रश्नों की संख्या 295, इस प्रकार कुल 628 प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हुई जिसमें से 11 प्रश्नों पर सभा में अनुपूरक प्रश्न पूछे गये। ध्यानाकर्षण की कुल 232 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें से 70 सूचनाएं ग्राह्य हुई और 20 सूचनाएं शून्यकाल में परिवर्तित की गई। स्थगन की कुल 101 सूचनाएं प्राप्त हुई। इस सत्र में माननीय सदस्यगणों द्वारा 196 याचिकाएँ प्रस्तुत की गईं, जिनमें से 36 याचिकाएँ ग्राह्य हुईं। मैं इस अवसर पर सभापति तालिका के माननीय सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिन्होंने सभा के संचालन में मुझे सहयोग प्रदान किया। मैं सम्माननीय पत्रकार

साथियों तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता के साथ प्रचार माध्यमों में प्रमुखता के साथ स्थान देकर जनता को संपादित कार्यवाही से अवगत कराया।

कल का दिन हम छत्तीसगढ़वासियों के लिये ही नहीं, बल्कि सभी के लिये एक महत्वपूर्ण दिन है। कल 18 दिसंबर है। पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती है। मैं इस अवसर पर प्रदेशवासियों को पूज्य बाबा गुरु घासीदास जयंती की शुभकामना देता हूं और कामना करता हूं कि बाबा जी का आशीर्वाद, उनकी कृपा हमारे छत्तीसगढ़ पर सदैव बनी रहे।

इस सत्र के समापन के अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूं जो पूरे समय सदन में उपस्थित रहे। सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूं जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था इस सत्र में कायम रखी। मैं विधान सभा के सचिव सहित सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूं जिन्होंने अपने दायित्व का निर्वहन पूर्ण कुशलता और निष्ठा के साथ किया। परंपरा के अनुसार सत्र के समापन के अवसर पर आगामी सत्रों की संभावित तिथि घोषित की जाती है। तदनुसार आगामी सत्र जो बजट सत्र होगा जिसकी तिथि माह फरवरी के अंतिम सप्ताह एवं मार्च 2026 में संभावित है। मैं आप सभी एवं प्रदेशवासियों को आगामी आने वाले नववर्ष की बधाई देता हूं और उनके मंगलमय जीवन की कामना करता हूं।

**जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़।**